टीईई दिसंबर 2025 और टीईई जनवरी 2026 के लिए असाइनमेंट

बीएएफपीवाई दर्शनशास्त्र

बीपीवाईएम-162

नीतिशास्त्र: एक परिचय

नोट:

1) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2) सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3) प्रश्न संख्या 1 और 2 का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए ।
4) यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों के उत्तर दीजिए ।

1. पुरुषार्थ क्या हैं? भारतीय दार्शनिक संदर्भ में इस अवधारणा का विश्लेषण कीजिए । 20

या

इमैनुएल कांट के अनुसार नैतिक कर्म क्या है? नैतिक कर्म पर दार्शनिक विचार क्या हैं?

2. पाश्चात्य दर्शन में नीतिशास्त्र के विकास पर एक निबंध लिखिए । 20

या

क) नैतिक मानदंड की क्या विशेषताएँ हैं?

ख) प्राकृतिक नैतिक नियम से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए। 10+10= 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए । 2*10= 20

क) सुकरात के इस कथन "सद्गुण ही ज्ञान है" की व्याख्या कीजिए। 10

ख) अधि-नीतिशास्त्रीय सापेक्षतावाद की प्रकृति क्या है? 10

ग) क्या कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र और सद्गुण नीतिशास्त्र में कोई अंतर है? व्याख्या कीजिए। 10

घ) परिणामवाद क्या है? परिणामवाद के दो प्रकार क्या हैं? 10

4. निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए । 4*5= 20

क) इमैनुएल कांट के निरपेक्ष आदेश सिद्धांत पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

ख) पूर्ववर्ती और परवर्ती अंतःकरण क्या हैं? चर्चा कीजिए। 5

ग) नीतिशास्त्र की प्रासंगिकता पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

घ) प्लेटो के अनुसार चार प्रमुख सद्गुणों की व्याख्या कीजिए। 5

ङ) नैतिक सापेक्षतावाद, नैतिक निरपेक्षतावाद से किस प्रकार भिन्न है? 5

च) अरस्तू के सद्गुण नीतिशास्त्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

छ) मिल 'प्रथम सिद्धान्त' की अवधारणा से क्या समझते हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 5*4= 20

क) ऋत 4

ख) कर्तव्यशास्त्र (डेऑन्टोलॉजी) 4

ग) यूडेमोनिया 4

घ) आंतरिक बुराई 4

ङ) सद्गुण 4

च) सुखवाद 4

छ) नैतिक भावनाएँ 4

ज) कर्म 4